नईदुनिया

गणेशोत्सव प्रारंभ

वर्ष- 80
(भोपाल: वर्ष 41 अंक 286, पृष्ठ 12)
भाद्रपक्ष, शुक्ल तृतीय संवत् 2083
सोमवार, 14 सितम्बर 2026
कीमत: 3:00 रुपये

www.naiduniaonline.com | भोपाल संस्करण | भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित

राजधानी... लाड़ली बहनें अब लाभ लेने वाली नहीं लाभ ...

खेल... हाकी इंडिया के महानिदेशक आरके श्रीवास्तव ...

व्यापार... तेल-तिलहन बाजार: सोयाबीन, बिनौला लुढ़के; ...

देश-विदेश... कैलिफोर्निया में भारतीय मूल की महिला की ...

ब्रिक्स: वैश्विक मीडिया की प्रतिक्रिया, अमेरिका-विरोधी गुट बनने से दूर रहा संगठन

भारतीय कूटनीति की दुनियाभर में सराहना

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान जारी नई दिल्ली घोषणापत्र को लेकर दुनियाभर के मीडिया में भारत की कूटनीतिक भूमिका की चर्चा हुई है। रिपोर्टों में कहा गया कि भारत ने ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, चीन और रूस जैसे अलग-अलग हितों और विचारों वाले देशों के बीच साझा सहमति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और सदस्य देशों के अलग-अलग रुख के बावजूद सभी देशों को साझा बयान पर सहमत कराना भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक चुनौती थी। भारत ने ब्रिक्स को किसी एक देश या शक्ति के प्रभाव में आने के बजाय विकासशील देशों के सहयोग के मंच के रूप में आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, चीन ब्रिक्स को अमेरिकी प्रभाव को चुनौती देने वाली वैश्विक शक्ति के रूप में मजबूत करना चाहता है। इसके विपरीत भारत की कोशिश संगठन को सीधे अमेरिका-विरोधी गुट बनने से

रोकने की रही है। भारत चाहता है कि अलग-अलग सोच और हितों वाले देश साझा मुद्दों पर मिलकर काम करें तथा विकासशील देशों की आवाज मजबूत हो।

रिपोर्टों में ब्रिक्स को वैश्विक शक्ति संतुलन में बदलाव लाने वाले मंच के रूप में भी देखा गया। विकासशील देश बड़े वैश्विक मुद्दों और फैसलों में अपनी भूमिका बढ़ाना चाहते हैं और ब्रिक्स उन्हें सामूहिक रूप से अपनी बात रखने का अवसर देता है। भारत और चीन के बीच सहयोग को भी महत्वपूर्ण बताया गया। भारत की डिजिटल ढांचे और सेवा क्षेत्र की क्षमता तथा चीन की विनिर्माण, बुनियादी ढांचे और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी ताकतें ब्रिक्स में सहयोग को मजबूत कर सकती हैं। भारत-चीन संबंधों में सुधार को भी सम्मेलन के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना गया। इसके बावजूद ब्रिक्स के भीतर सदस्य देशों के अलग-अलग हित और ईरान-सऊदी अरब जैसे देशों के बीच तनाव चुनौतियां बने हुए हैं। इसके बावजूद सदस्य देश साझा घोषणापत्र पर सहमत हुए और विवादों को बातचीत तथा शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने पर जोर दिया।

गुजराती खांडवी और कश्मीरी मशरूम डिश परोसी गई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भारत मंडपम में ब्रिक्स सदस्य देशों के नेताओं के लिए रात्रिभोज आयोजित किया। इस दौरान मेहमानों को भारतीय व्यंजन परोसे गए। मेन्यू में पनीर के साथ सूखी सब्जी, चुकंदर का रायता, गुजराती खांडवी और मिलेट्स का पुलाव शामिल रहा। भोज में कश्मीर की मशरूम डिश और मिठाई में फ्रूट क्रीम के साथ जलेबी परोसी गई। मेहमानों को जयपुर से मंगाए गए विशेष चांदी की परत वाले बर्तनों में भोजन दिया गया। कार्यक्रम में भारत और ब्रिक्स देशों के 100 से अधिक कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति भी दी।

ब्रिक्स डिनर के दौरान गाया किशोर कुमार का गीत...

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स डिनर के दौरान किशोर कुमार का प्रसिद्ध गीत 'ख्वाब हो तुम या कोई हकीकत' गाया। उन्होंने मुकेश का गीत 'दोस्त-दोस्त ना रहा' भी गुनगुनाया। अनवर ने इसका वीडियो अपने सोशल मीडिया खाते पर साझा किया और लिखा- गुरु, थोड़ा सा गाने की इजाजत है। अनवर इब्राहिम किशोर कुमार के प्रशंसक रहे हैं। इससे पहले भी वह इस गीत को गुनगुना चुके हैं। 'ख्वाब हो तुम या कोई हकीकत' गीत फिल्म तीन देवियां का है, जिसे किशोर कुमार ने गाया था। वहीं 'दोस्त-दोस्त ना रहा' फिल्म संगम का गीत है।

समान नागरिक संहिता 2029 तक 21 राज्यों में लागू होगी: अमित शाह

▸▸ **उत्तराखंड में लागू, मध्य प्रदेश, गुजरात और असम में प्रस्ताव पारित; अन्य राज्यों में तैयारी**

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन शासित 21 राज्यों में 2029 से पहले समान नागरिक संहिता लागू कर दी जाएगी। फिलहाल उत्तराखंड एकमात्र राज्य है, जहां जनवरी 2025 से यह पूरी तरह लागू है। गुजरात, असम और मध्य प्रदेश में विधानसभा से प्रस्ताव पारित हो चुका है। अब राष्ट्रपति की मंजूरी और अधिसूचना जारी होने का इंतजार है। महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए कानून का मसौदा तैयार करने वाली समितियां गठित की जा चुकी हैं। शाह मुंबई में भाजपा के सेवा संकल्प अभियान के शुभारंभ के लिए पहुंचे थे।

पाकिस्तान में घुसकर मार सकता है भारत

शाह ने कहा कि पहले कौन सोच सकता था कि आतंकवादी हमले की स्थिति में भारत का प्रधानमंत्री पाकिस्तान की सीमा में घुसकर जवाब देने का फैसला करेगा। उन्होंने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसी रक्षा नीति बनाई है, जिससे भारत पर हमला करने के बारे में दुश्मनों को दो बार सोचना पड़ता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अवैध घुसपैठिए की पहचान कर उसे देश से बाहर भेजा जाएगा।

खास-खबर

ई20 पेट्रोल वापस लेने की मांग

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने ई20 पेट्रोल के देशभर में इस्तेमाल को लेकर सरकार के सामने आपत्ति जताई है। इंडिया मार्च फॉर साइंस के दौरान इस मुद्दे को उठाया है। वैज्ञानिकों ने ई20 ईंधन से संबंधित सरकार की नीति और इसके प्रभावों को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ईंधन से जुड़े फैसलों में वैज्ञानिक तथ्यों और उपभोक्ताओं की चिंताओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए। इस दौरान सरकार के सामने तीन मांगें रखी गईं। पहली मांग ई20 ईंधन से संबंधित नीति दस्तावेजों और तकनीकी अध्ययनों को सार्वजनिक करने की है।

प्रधानमंत्री से मिले बचपन के मित्र

▸▸ **भाजपा विधायक के खिलाफ सीबीआई जांच की मांग की**

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके बचपन के मित्र असगरअली वोहरा ने रविवार को मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भाजपा विधायक के खिलाफ सीबीआई जांच की मांग की। मुलाकात के दौरान असगरअली वोहरा ने मीरा-भायंदर भूमि मामले का मुद्दा प्रधानमंत्री के सामने रखा। असगरअली वोहरा प्रधानमंत्री मोदी के स्कूल समय के मित्र रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान संबंधित मामले में जांच की मांग की। उन्होंने भाजपा

विधायक के खिलाफ सीबीआई जांच कराने की अपील की। मुलाकात के बाद यह मामला चर्चा में आया। असगरअली वोहरा ने प्रधानमंत्री के सामने अपनी मांग रखते हुए मामले की जांच की आवश्यकता बताई। भूमि मामले को लेकर उन्होंने निष्पक्ष जांच की मांग की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और असगरअली वोहरा की यह मुलाकात उनके पुराने संबंधों के संदर्भ में भी चर्चा में रही। दोनों के बीच स्कूल के समय से परिचय रहा है। मुलाकात के दौरान असगरअली वोहरा ने अपनी मांग प्रधानमंत्री के समक्ष रखी।

मप्र मानवाधिकार आयोग का 32वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित

अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की आवाज भी महत्वपूर्ण: डॉ. यादव

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश मानवाधिकार आयोग अपने ध्येय वाक्य 'हम सब बराबर, बराबर हमारे अधिकार' को चरितार्थ कर रहा है। भारतीय संस्कृति में समानता और मानव कल्याण की भावना सदैव रही है। मुख्यमंत्री रविवार को मध्यप्रदेश मानवाधिकार आयोग के 32वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की आवाज भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, जितनी अग्रिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की। मानवाधिकार आयोग की तीन दशकों की यात्रा मानवाधिकारों के संरक्षण, संवर्धन और मानवीय गरिमा की रक्षा के लिए समर्पित रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों की सुरक्षा और सम्मान राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। समारोह में मुख्यमंत्री ने आयोग की स्मारिका, त्रैमासिक

न्यूज लेटर और डायरी का विमोचन किया। इस अवसर पर अनुसूचित जनजाति वर्ग के मानवाधिकारों के संरक्षण और शासकीय योजनाओं की पहुंच को लेकर संगोष्ठी आयोजित की गई। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह ने कहा कि जनजातीय समाज का विकास केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि सभी का सामाजिक और नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि जनजातीय विकास के लिए प्रदेश में 8 हजार करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इसके माध्यम से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों को शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और पेयजल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने कहा कि मानवाधिकार व्यक्ति के जीवन, स्वतंत्रता और गरिमा से जुड़े अधिकार हैं। उन्होंने बताया कि आयोग ने जनजातीय वर्ग के पीड़ितों को अब तक 6 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता राशि उपलब्ध कराई है। कार्यक्रम में आयोग और जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एक साल में बीमारी से 62 शेरों की मौत

28 शावक, 17 शेर और 17 शेरनियां शामिल

▸▸ **विधानसभा में सरकार ने दी जानकारी, निमोनिया, खून की कमी और किडनी-लिवर खराब होने समेत कई बीमारियां बनीं वजह**

नईदुनिया ब्यूरो, गांधीनगर: गुजरात में एक वर्ष के दौरान बीमारी के कारण 62 शेरों, शेरनियों और शावकों की मौत हुई है। राज्य सरकार ने विधानसभा में यह जानकारी दी। आंकड़ों के अनुसार, 31 जुलाई 2026 तक हुई इन मौतों में शावक सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। कुल मृतकों में 28 शावक शामिल हैं, जो कुल मौतों का 45.2 प्रतिशत है।

सरकार द्वारा विधानसभा में दी गई जानकारी के मुताबिक, इस अवधि में 17 शेर और 17 शेरनियों की भी बीमारी के कारण मौत हुई।

इस तरह बीमारी से मरने वाले शेरों की कुल संख्या 62 रही। मृत शेरों और शावकों में अलग-अलग तरह की बीमारियां सामने आई थीं। इनमें निमोनिया, खून की कमी और किडनी तथा लिवर खराब होने जैसी समस्याएं शामिल थीं। इसके अलावा भी कई अन्य बीमारियों के कारण शेरों की मौत हुई। सरकार ने स्पष्ट किया कि इन मौतों के पीछे किसी एक बीमारी को सबसे बड़ी वजह नहीं बताया गया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, अलग-अलग बीमारियों के कारण शेरों, शेरनियों और शावकों की मौत हुई। आंकड़ों में सबसे अधिक संख्या शावकों की रही, जिनकी 28 मौतें दर्ज की गईं।

नदी में गिरी बस, 17 यात्री घायल

नईदुनिया ब्यूरो, तेनकासी: तमिलनाडु के तेनकासी जिले में रविवार को बड़ा बस हादसा हुआ। तेनकासी-तिरुनेलवेली मार्ग पर चल रही सरकारी बस वेत्ताइकरनकुलम के पास अळुथा कन्नी नदी में पलटकर गिर गई। बस में 32 यात्री सवार थे। 17 यात्री घायल हुए हैं।

252 मदरसों को बंद करने का आदेश

नईदुनिया ब्यूरो, कोलकाता: पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के 252 मदरसों को बंद करने का आदेश दिया है। सौ अन्य मदरसों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जांच के दौरान इन मदरसों में बुनियादी सुविधाएं नहीं मिलीं। यह कार्रवाई अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग की ओर से की गई है। सरकार ने कहा कि जो मदरसे निर्धारित मानकों को पूरा करते हैं, वे संचालित होते रहेंगे। जिन संस्थाओं को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं, उनके जवाब की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। जून की शुरुआत से पश्चिम बंगाल के सभी जिलों में जमीनी सर्वे किया गया था। इसमें सरकारी और निजी मदरसों की बुनियादी सुविधाओं, मंजूरी की स्थिति और प्रबंधन व्यवस्था की जांच की गई।

भारत ने अफगानिस्तान को सात विकेट से हराया, 13.4 ओवर में लक्ष्य हासिल

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: भारत ने पहले टी-20 मुकाबले में अफगानिस्तान को सात विकेट से हरा दिया। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 156 रन बनाए। अजमतुल्लाह उमरजई ने नाबाद 64 रन की पारी खेली। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह ने तीन विकेट लिए। 157 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 13.4 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। अभिषेक शर्मा ने 32 गेंद में 82 रन बनाए। उन्होंने सात चौके और सात छक्के लगाए। अभिषेक ने ईशान किशन के साथ 121 रन की साझेदारी की। ईशान 42 रन बनाकर आउट हुए। भारत और अफगानिस्तान के बीच अब तक नौ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले हुए हैं। भारत ने आठ मैच जीते हैं, जबकि एक मुकाबला बेनतीजा रहा है।

भोपाल-दिल्ली विमान में तकनीकी खराबी, जयपुर डायवर्ट

नईदुनिया ब्यूरो, भोपाल: भोपाल से दिल्ली जा रही एअर इंडिया की उड़ान एआई1886 को रविवार को तकनीकी खराबी के कारण जयपुर डायवर्ट कर दिया गया। एअर इंडिया ने बताया कि उड़ान को निर्धारित प्रक्रियाओं के तहत जयपुर भेजा गया। विमान ने जयपुर हवाई अड्डे पर सुरक्षित लैंडिंग की। एअर इंडिया के अनुसार, 13 सितंबर को भोपाल से दिल्ली के लिए रवाना हुई उड़ान में तकनीकी खराबी की जानकारी मिलने के बाद उसे जयपुर डायवर्ट किया गया। कंपनी ने कहा कि विमान को सुरक्षा संबंधी निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करते हुए जयपुर उतारा गया।

भारत आठवीं बार महिला एशिया कप चैंपियन

▸▸ **शेफाली और स्मृति के अर्धशतक, श्री चरणी ने भी किया कमाल**

दुबई, एजेंसी: भारत ने महि ा एशिया कप का खिताब आठवीं बार अपने नाम कर लिया। दुबई में खेले गए फाइनल में भारत ने श्रीलंका को 72 रन से हराया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 183 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका की टीम 20 ओवर में 111 रन पर ऑलआउट हो गई। शेफाली वर्मा ने 68 और स्मृति मंधाना ने 59 रन की पारी खेली। उन्होंने पांच चौके और तीन छक्के लगाए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 129 रन की साझेदारी की। शेफाली ने 24 गेंद में अर्धशतक पूरा किया, जो महिला एशिया कप का सबसे तेज अर्धशतक है। गेंदबाजी में श्री चरणी ने चार और दीप्ति शर्मा ने तीन विकेट लिए। हरमनप्रीत कौर ने 14 रन बनाए। पारी के अंतिम ओवर में गुणालन कमालिनी ने छक्का लगाकर भारत का स्कोर 183 रन तक पहुंचाया।

नकवी से ट्रॉफी नहीं ली: भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशिया कप का खिताब जीतने के बाद मोहसिन नकवी के हाथों ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया। नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष होने के साथ पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष और गृह मंत्री भी हैं।

अर्थव्यवस्था | *अर्थशास्त्री जेफरी सैश ने कहा- एशिया की ओर बढ़ रहा वैश्विक अर्थव्यवस्था का केंद्र*

25 साल में अमेरिका से आगे निकल सकता है भारत

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: भारतीय अर्थव्यवस्था की तेज विकास दर को लेकर कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और अर्थशास्त्री जेफरी सैश ने बड़ा अनुमान जताया है। उनका कहना है कि आने वाले वर्षों में भारत तेजी से आगे बढ़ते हुए अमेरिका को पीछे छोड़ सकता है और इस सदी में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। सैश के अनुसार, अगले 25 वर्षों में भारत और चीन दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं बनने की स्थिति में पहुंच सकते हैं।

सैश ने कहा कि भारत पहले से ही प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज गति से विकास कर रहा है।

उनके अनुसार, वैश्विक अर्थव्यवस्था का केंद्र निर्णायक रूप से एशिया की ओर स्थानांतरित हो रहा है। उनका मानना है कि इस बदलाव का सबसे अधिक लाभ भारत और चीन जैसी बड़ी एशियाई अर्थव्यवस्थाओं को मिल सकता है। भारत-चीन संबंधों को लेकर भी सैश ने महत्वपूर्ण बात कही। उन्होंने दोनों देशों के बीच आर्थिक और तकनीकी सहयोग को बढ़ाने पर जोर दिया। उनका कहना है कि दोनों देशों के बीच गहरे आर्थिक संबंध और संयुक्त उद्यम भारत की विकास गति को और बढ़ा सकते हैं। उन्होंने भारत और चीन के संबंधों को दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय संबंध बताया। हालांकि, सैश ने दोनों देशों के बीच सीमा विवाद और आपसी अविश्वास को भी स्वीकार किया। इसके बावजूद उनका कहना है कि भारत और चीन के पास अपने संबंधों को बेहतर बनाने के लिए मजबूत आर्थिक और रणनीतिक विकल्प मौजूद हैं। उनके अनुसार, जिस तरह भारत को चीन की जरूरत है, उसी तरह चीन को भी भारत की आवश्यकता है।

सैश ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था का केंद्र फिर से एशिया में लौट आया है। करीब 2,000 वर्षों तक वैश्विक आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र एशिया रहा था, लेकिन 1800 के बाद कुछ समय के लिए इसका केंद्र इससे दूर चला गया।

अब यह दोबारा एशिया की ओर लौट रहा है। उनके मुताबिक, इस बदलाव के चलते चीन, आसियान, अफ्रीका और खाड़ी देशों के साथ भारत के रणनीतिक और आर्थिक संबंध आने वाले समय में और महत्वपूर्ण होंगे। भारत की तेज विकास दर और चीन के साथ संभावित आर्थिक सहयोग इसे दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे ले जा सकता है।